संस्कृतविभागः जामियामिल्लियाइस्लामिया नवदेहलीस्थः
(राष्ट्रियमूल्याङ्कनपरिषदा A++ श्रेण्या प्रत्यायितः केन्द्रीयविश्वविद्यालयः)
Department of Sanskrit, Jamia Millia Islamia, New Delhi 110 025
(NAAC Accredited A++ Central University)

बहुविषयक स्नातक उपाधि-संस्कृत : पाठ्यक्रम विवरण

Multidisciplinary Bachelor's Degree in Sanskrit: Course Descriptions

Discipline Specific Courses : Major/Core (DSC)

सेमेस्टर-01 **DSC-1**	**संस्कृत-प्रवेशः** **Entry Level Sanskrit**
क्रेडिट :04	कुल अङ्क : 100 (आन्तरिक मूल्याङ्कनः 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षाः 75 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से द्वादश कक्षा उत्तीर्ण।
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	* देवनागरी लिपि और संस्कृत भाषा की पृष्ठभूमि को जान सकेंगे। * संस्कृत वार्तालाप एवं सम्भाषण की पृष्ठभूमि तैयार हो सकेगी। * संस्कृत साहित्य से परिचित होंगे।

इकाई 01: इकाई 02:	अनुप्रयुक्त संस्कृत : देवनागरी लिपि, माहेश्वर सूत्र, संस्कृत वर्णों के उच्चारण स्थान, वाग्व्यवहार : कारक पर आधारित वाक्य संरचना, संस्कृत वार्तालाप एवं सम्भाषण का अभ्यास, सरल संस्कृत कथाओं के माध्यम से भाषाभ्यास,भ्वादिगण की धातुओं के आधार पर वाक्य संरचना एवं सामान्य व्यवहार में प्रयोग (लट्, लृट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ् लकारों में परस्मैपद प्रयोग), अव्यय, उपसर्ग, कारक एवं विभक्ति के आधार पर वाक्य संरचना एवं सामान्य व्यवहार में प्रयोग (लट्, लृट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ् लकारों में), 'सरलं मानकं संस्कृतम्' के आधार पर भाषाभ्यास
इकाई 03: इकाई 04:	परिचयात्मक संस्कृत साहित्य : संहिता साहित्य, आरण्यक साहित्य, ब्राह्मण साहित्य, उपनिषद् साहित्य, वेदाङ्ग, आर्षकाव्य, पद्यकाव्य, गद्यकाव्य तथा चम्पू, कथासाहित्य, पुराण साहित्य, महाकाव्य, शास्त्रकाव्य, चरितकाव्य, इतिहासविषयक विविध साहित्य, व्याकरणशास्त्र, ज्योतिषशास्त्र, आयुर्वेदशास्त्र, धर्मशास्त्र, संगीतशास्त्र, काव्यशास्त्र परम्परा, दर्शनशास्त्र, शब्दकोश (विलुप्तप्राय प्राचीन कोश, वैदिक शब्दकोश, लौकिक संस्कृत के शब्दकोश, आधुनिक कोश), आधुनिक संस्कृत में लेखन की विविध विधाएँ, विदेशी विद्वानों के संस्कृत कार्य

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. सरलं मानकं संस्कृतम् (https://www.sanskrit.nic.in/data/Simple_Standard_Sanskrit.pdf) (Reports of the Committee Constituted by Rashtriya Samskrit Parishad-GoI for suggesting ways and means of defining Simple Standard Sanskrit)
2. सम्भाषणम् (प्रथमा दीक्षा), वेम्पटि कुटुम्बशास्त्री, राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्, नवदेहली
3. संस्कृत व्यवहार साहस्री, संस्कृतभारती, नवदेहली
4. स्वयमेव संस्कृतशिक्षणम् , डॉ. जीतराम भट्ट,डॉ. गोस्वामी गिरिधारी लाल शास्त्री प्राच्य विद्या प्रतिष्ठानम्, नई दिल्ली
5. पञ्चतन्त्रकथाः, डॉ. विश्वास, संस्कृतभारती, बेङ्गलूरु
6. व्यूहभेदः (अन्याः कथाश्च), जनार्दन हेगडे, संस्कृतभारती, नवदेहली
7. रुचिराः बालकथाः, डॉ. सुधा मूर्ति (संस्कृतानुवादः- डॉ. नागरत्ना हेगडे), संस्कृतभारती, बेङ्गलूरु
8. रचनानुवाद कौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी,विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी
9. मनोगतम् (आकाशवाणीद्वारा जनजागरणम्), संस्कृतानुवादः - सरिता कृष्ण शास्त्री, संस्कृतसंवर्धनप्रतिष्ठानम्, देहली
10. संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
11. संस्कृत साहित्य का समग्र इतिहास (छात्रोपयोगी संस्करण), राधावल्लभ त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
12. The Students Guide To Sanskrit Composition, V.S. Apte, Chaukhamba Sanskrit Series Office, Varanasi
13. Higher Sanskrit Grammar, M.R. Kale, Motilal Banarsidass, Delhi

सेमेस्टर-02 DSC-2	गीतायां प्रबन्धनसिद्धान्ताः Principles of Management in the Gita
क्रेडिट :04	कुल अङ्क : 100 (आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	देवनागरी लिपि और संस्कृत भाषा की पृष्ठभूमि अपेक्षित।
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	श्रीमद्भगवद्गीता में प्रतिपादित प्रबन्धन के सिद्धान्तों का मानव की दैनिक जीवन की समस्याओं से तारतम्य स्थापित कर सकेंगे।

इकाई 01:	प्रबन्धन : अर्थ एवं परिभाषा, प्रबन्धन का भारतीय स्वरूप एवं पाश्चात्य स्वरूप, श्रीमद्भगवद्गीता की पृष्ठभूमि, कुरुक्षेत्र युद्ध के कारण
इकाई 02:	मानसिक द्वन्द्व, मन एवं मन निग्रह के साधन
इकाई 03:	कर्म तत्त्व एवं प्रबन्धन
इकाई 04:	ज्ञान के सिद्धान्त, भक्तितत्त्व एवं प्रबन्धन

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. गीता-साधक-संजीवनी (कोड-6), स्वामी रामसुखदास, गीता प्रेस, गोरखपुर
2. भगवत् गीता में प्रबंधन, हेमलता, हंसा प्रकाशन, जयपुर
3. गीता में आत्मप्रबन्धन, दीपक कालिया, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
4. गीता में आत्मप्रबन्धन, विनोद कुमार, परिमल प्रकाशन, दिल्ली
5. गीता में आत्म प्रबन्धन, राजेन्द्र कुमार, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी
6. Management Paradigms from Bhagavad Gita, B Mahadevan, Indian Institute of Management, Bangalore
7. Bhagavad Gita and Management, M.P. Bhattathiri (Retired Chief Technical Examiner, Govt. of Kerala)
8. The Holy Geeta, Chinmayanand, Chinmaya Publication, Mumbai
9. Universal Message of the Bhagavad Gita, Swami Ranganathananda, 3-Volumes, Advaita Ashrama, Kolkata
10. 6. Essays on Gita, Shri Aurobindo, Shri Aravind Ashram, Pondichery